एक नजर में

कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष के लिए चल रही खींचतान

सारनी। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए खींचतान शुरू हो गई है। कांग्रेस में गुटबाजी चरम सीमा पर होने की वजह से बंगाली और बिहारी ब्लॉक अध्यक्ष ना बने इसको लेकर एक खेमे के माध्यम से उठा फाटक और शिकायतों का दौर शुरू कर दिया है। गोरतलब है कि पिछले 20 वर्षों से आमला विधानसभा पर कांग्रेस कब्जा नहीं कर पा रही है। नगर पालिका में पार्षदों की संख्या में वृद्धि नहीं हो पा रही है। इसका मुख्य कारण कांग्रेसियों का आपस में गुटबाजी का नतीजा रहा है। प्रदेश स्तर पर कांग्रेस में फेरबदल चल रहा है लेकिन आमला विधानसभा के सारनी ब्लॉक में कोई फेरबदल होता दिखाई नहीं दे रहा है।यही वजह है कि कांग्रेस लगातार आमला विधानसभा क्षेत्र में कमजोर होते जा रही है। भारतीय जनता पार्टी के तर्ज पर सारनी ब्लॉक में युवा को बागडोर सौपना चाहिए और कांग्रेस में उन लोगों को कार्य भार सौपना चाहिए। हालांकि नगर पालिका परिषद सारनी क्षेत्र में इन दिनों चर्चा का बाजार गर्म है कि कांग्रेस के जिला अध्यक्ष निलय डागा के बनने के बाद पांसे कंपनी की दाल गल नहीं पा रही है।यही वजह है कि सुखदेव पैनल के जो लोग पहले प्रथम पंक्ति में हुआ करते थे अब वह लोग पंक्ति से नदारत दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस को सफलता का स्वाद चखना है तो युवाओं को संगठन में महत्वपूर्ण स्थान देना पड़ेगा और गुटबाजी करने वाले लोगों को पार्टी के बाहर का रास्ता दिखाना पड़ेगा तब जाकर ही व्यवस्थाओं में सुधार होने की संभावना बन सकती है।

रेलिंग में फंसे पशु का रेस्क्यू कर बचाई जान

पाथाखेड़ा। बजरंग दल और स्थाई प्रशासन की तत्परता से बची जान,सारनी नगर में एक बार फिर मानवीय संवेदना और टीमवर्क की मिसाल देखने को मिली जब रेलिंग में फंसे एक घायल पशु को घंटों की मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना में बजरंग दल के ललन यादव, बिट्टू यादव, अंजनी सिंह, निशांत भंडारे और विजय पटने सहित कई कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। जानकारी के अनुसार, घटना स्थल पर डब्ल्यूसीएल से गैस कटर मशीन मंगाकर रेलिंग काटी गई। इसके बाद नगर पालिका परिषद सारनी से बुलवाई गई जेसीबी मशीन की मदद से रेलिंग को सावधानीपूर्वक उठाया गया और पशु को बाहर निकाला गया। रेस्क्यू के दौरान डब्ल्यसीएल सुरक्षा प्रहरी और नगर पालिका कर्मचारी भी मौके पर मौजूद रहे। सभी की संयुक्त मेहनत से पशु की जान बचाई जा सकी, हालांकि उसके पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। घायल पशु को उपचार हेतु सुरक्षित स्थान पर भेजा गया।

चिखली खुर्द में अवैध खनन करते तीन डंपर और एक पोकलेन जप्त

मुलताई। क्षेत्र के ग्राम चिखली खुर्द अवैध रूप से खनन करते हुए राजस्व एवं खनिज विभाग की टीम ने 3 डंपर एवं एक पोकलेन जप्त किए है। बताया जाता है ग्राम चिखली खुर्द में ब्राह्मणी कंपनी सिविल कंस्ट्रक्शन झांसी द्वारा अवैध उत्खनन किया जा रहा था।सूचना मिलने पर खनिज एवं राजस्व विभाग कि टीम ने मौके पर पहुँचकर हाईवे से करीब एक किलोमीटर अंदर छापा मारते हुए तीन डंपर और एक पोकलेन मशीन जप्त की है। जप्त वाहनों को सुरक्षा कि दृष्टि से मुलताई थाना परिसर में खड़ा कराया गया है।

वसूली : सिंचाई का किसानों पर करीब 1 .13 करोड़ की राशि बकाया

नवभारत न्यूज

बैतूल, 29 अक्टूबर. जल संसाधन विभाग द्वारा प्रतिवर्ष रबी फसल की सिंचाई के लिए जलाशय से पानी दिया जाता है। इसके एवज में विभाग किसानों से जल शुल्क वसूल करता है।

राशि जमा कराने के बाद ही किसानों को मिलेगा पानी

जिले के किसानों को करीबन 1 करोड़ रुपये बकाया

इस जल शुल्क की बकाया राशि वसूलने के लिए विभाग ने कार्रवाही तेज कर दी है। विभाग के मुताबिक किसानों पर सिंचाई जल शुल्क का एक करोड़ रुपए से अधिक बकाया है। जिसमें से विभाग महज 14 लाख रुपए ही वसूल कर सका है। दरअसल जल संसाधन विभाग द्वारा राशि वसूलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अभी भी कई किसान राशि देने में आनाकानी कर रहे है। जल संसाधन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक जिले के अंतर्गत जल संसाधन विभाग के बैतूल एवं मुलताई डिवीजन हैं। बैतूल डिवीजन के अंतर्गत 6 उपसंभाग बैतूल, भैंसदेही, भीमपुर, चिचोली, घोड़ाडोंगरी एवं शाहपुर तथा मुलताई संभाग के अंतर्गत 4 उपसंभाग मुलताई, आमला, आठनेर एवं प्रभात पट्टन है। जिनके अंतर्गत निर्मित 7 मध्यम परियोजनाएं एवं 187 लघु योजनाएं हैं। इस प्रकार कुल 194 सिंचाई योजनाएं क्रियान्वित हैं। आगामी रबी सीजन 2025 के लिए बैतूल-मुलताई डिविजन में 1 लाख हेक्टेयर सिंचाई लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इसमें 74,115 हेक्टेयर क्षेत्र नहरों से और 25,885 हेक्टेयर क्षेत्र माइक्रो एरिगेशन प्रणाली से सिंचित किया जाएगा। वर्धा जलाशय से 5,700 हेक्टेयर और पारसडोह जलाशय से 19,785 हेक्टेयर में माइक्रो एरिगेशन प्रणाली के माध्यम से सिंचाई की जाएगी। घोघरी जलाशय से पहली बार 7,000 हेक्टेयर में सिंचाई का परीक्षण किया जाएगा। विभाग को बैतूल ब्लाक में 38.939 लाख वसूलना था, जिसमें से विभाग मात्र 7.418 लाख ही वसूल पाया है। इसी तरह अन्य ब्लाकों में भी किसानों पर राशि बकाया है।

> पिछले साल रबी सीजन में सिंचाई के लिए जो पानी दिया गया था, उसकी वसूली के लिए किसानों से संपर्क किया जा रहा हैं। वसूली नहीं होने के कारण किसानों पर सिंचाई का करीब एक करोड़ से अधिक बकाया है। एसडीओ और कर्मचारी वसूली के लिए लगातार किसानों से संपर्क कर रहे हैं।
>
> **-रोशन कुमार,** ईई, जल संसाधन विभाग, बैतूल

किसानों पर करीब एक करोड़ से अधिक का बकाया

किसानों पर रबी सीजन में सिंचाई के जलशुल्क का 113 .491 लाख रुपए बकाया है। जिसकी वसूली के लिए विभाग हर साल अभियान चलाता है, लेकिन अभी तक सिर्फ 14 .940 लाख रुपए ही वसूल कर सका है।जबकि हर साल रबी सीजन में पानी दिए जाने के कारण किसानों पर बकाया राशि बढ़ती जा रही है। विभाग का कहना था कि जल शुल्क का पैसा नहीं दिए जाने पर सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। शासन द्वारा नहरों के मेंटेनेंस के लिए दिया जाने वाला बजट भी काफी कम होता है। जिसके कारण विभाग के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई है।

सिंचाई के पानी का यह है हिसाब

जल संसाधन विभाग द्वारा सीजन के हिसाब से सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जाता है। जमीन तैयार करने के लिए खरीफ और रबी सीजन में 125 रुपए प्रति हेक्टेयर के हिसाब से पानी दिया जाता है। गेहूं में पलेवा के लिए 125 रुपए हेक्टेयर और प्रत्येक बार अतिरिक्त पानी लेने पर 75 रुपए प्रति हेक्टेयर पानी दिया जाता है। चने में प्रत्येक बार पानी के लिए 75 रुपए प्रति हेक्टेयर, धान के लिए 155 रुपए प्रति हेक्टेयर, मूंगफली, ज्वार, मूंग, सोयाबीन, तिल, उड़द, तुअर के लिए 50 रुपए हेक्टेयर, कपास के लिए प्रत्येक पानी 70 रुपए हेक्टेयर के हिसाब से पानी दिया जाता है।

एक दशक बाद पावर प्लांट का बिजली उत्पादन हुआ शून्य

सारनी। सतपुड़ा थर्मल पावर प्लांट का एक दशक बाद बिजली उत्पादन शून्य हो गया है। बुधवार को 250 मेगावाट की 10 एवं 11 नंबर को बिजली की डिमांड नहीं होने के चलते बंद करना पड़ा है। दोनों इकाईयों के बंद होने पर बिजली उत्पादन जीरो पर आकर सिमट गया है। बताया जाता है कि सतपुड़ा थर्मल पावर प्लांट की दो बड़ी एवं सिंगाजी पावर प्लांट की तीन बड़ी इकाइयों को बंद करना पड़ा है। पावर प्लांट का बिजली उत्पादन शून्य पर आ जाने पर ब्लेक आउट जैसी स्थिति निर्मित हो जाती है। परंतु अब पश्चिम ग्रेड में बिजली उत्पादन शून्य पर आ

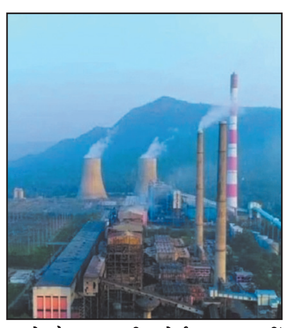

जाने के बाद भी कोई असर नहीं पड़ेगा। बताया जाता है कि सतपुड़ा थर्मल पावर प्लांट में बिजली उत्पादन शून्य पर आ जाने के बाद भी अधिकारी, कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। मंडल सूत्रों ने कहा कि प्रदेश में बिजली की डिमांड लगातार कम होने की वजह से सारनी पावर प्लांट से बिजली उत्पादन शून्य पर आ गया है। गौरतलब हैं कि पावर प्लांट की 9 इकाइयां नीलाम हो चुकी हैं। पांच इकाईयों को जमींदोज करने के बाद अब 4 बड़ी इकाइयों को बेचने के बाद उनके डिस्मेंटल का काम शुरू हो जाएगा। पावर प्लांट में केवल दो यूनिट 10 एवं 11 नंबर बिजली उत्पादन कर रही थी। उक्त दोनों इकाईयों को आनन फानन में आदेश मिलते ही एक के बाद एक यूनिट को भी बंद कर दिया है। सतपुड़ा थर्मल पावर प्लांट सारणी बिजली उत्पादन में कई कीर्तिमान स्थापित कर चुका है। इन दिनों सतपुडा पावर प्लांट बिजली उत्पादन में फिसड्डी साबित हो रहा है।

इनका कहना है -

सतपुड़ा थर्मल पावर प्लांट में 10 एवं 11 नंबर इकाई से बिजली उत्पादन चल रहा था। जबलपुर मुख्यालय से आदेश मिलते ही बुधवार 10 नंबर इकाई को दोपहर 12,40 बजे एवं 11 नंबर इकाई दोपहर 1,24 बजे बंद करना पड़ा है। बिजली की डिमांड नहीं होने की वजह से सारनी की दो यूनिट एवं सिंगाजी पावर प्लांट की 3 यूनिटों को बंद किया गया है।

एसएन सिंह, एडिशनल चीफ इंजीनियर पावर प्लांट सारनी

स्टंटबाज बाइक सवारों का आतंक, बस के तोड़े कांच

सारनी। महानगरों की तर्ज पर बगडोना के मुख्य सड़कों पर 6 बाइक चलाने वाले युवकों का आतंक लगातार रात में बढ़ता जा रहा है।बताया जाता है कि 6 बाइक संचालक रात में 11.30 बजे निकलते हैं और मुख्य सड़कों पर तेज गति से वाहन चलाकर स्टंट करने का काम करते हैं। जिससे भविष्य में बड़ी दुर्घटना होने की संभावना से नजर अंदाज नहीं किया जाता किया जा सकता। इस तरह की घटना की पुर्नवृत्ति ना हो इसे देखते हुए बजरंग दल जिला सह मंत्री लक्ष्मीकांत पांडे ने पाथाखेड़ा पुलिस में शिकायत की है। श्री पांडे ने बताया कि रात 11.40 पर छिंदवाड़ा जिले की चार बसें अलग-अलग स्थान पर खड़ी थी और इसी बीच एक समय पर इन बाइक चालकों के माध्यम से छिंदवाड़ा जिले की इन चार बसों के कांच को फोड़ने का काम किया। जिसमें एमपी 28 पी-0270,एमपी 28पी-0452 क्रमांक बस शामिल है।जबकि दो बसों का नंबर हमें उपलब्ध नहीं हो पाया है। बजरंग दल जिला सह मंत्री लक्ष्मीकांत पांडे ने कहा कि कई बार तेज गति में बाइक चलाने वाले युवक दिन में तो कभी 7 से 8 बजे बड़ी आसानी से बगडोना के स्वागत द्वार से हवाई पट्टी के बीच देखे जा सकते हैं। ऐसा नहीं कि इसकी जानकारी संपूर्ण क्षेत्र के व्यापारियों को ना हो लेकिन व्यापारी अनावश्यक विवाद की स्थिति में उलझना नहीं चाहते जिसकी वजह से लगातार इन बाइक ग्रुप संचालन का आतंक बगडोना में बढ़ते जा रहा है आज इन्होंने छिंदवाड़ा जिले के मिगलानी कंपनी की बस का कांच फोड़ा है आने वाले समय में घर के सामने निजी दोपहिया चार पहिया गाड़ियों के कांच को नुकसान पहुंचाने का काम करेंगे उससे पहले स्थानिक पुलिस प्रशासन को इन पर अंकुश लगाना चाहिए उन्होंने बताया कि बजरंग दल का प्रतिनिधि मंडल एसपी से पुलिस सहायता केंद्र खोले जाने की मांग करेगा।

कामधेनु चौक पर गौ माता का पूजन कर मनाया गोपष्टमी पर्व

मुलताई। पवित्र नगरी में कामधेनु चौक पर बुधवार को गौ सेवकों ने विधि विधान से गौमाता का पूजन कर गौ पालन एवं गौ संवर्धन का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर पंडित सौरभ जोशी ने कहा हमें अपने घर में गौ पालन करना चाहिए, गौ पालन से सभी प्रकार की दोष का नाश होता है। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष गणेश साहू ने कहा घर में किसी विशेष शुभ कार्य या जन्मदिन पर गौशाला में जाकर गौ माता का आशीर्वाद लेना चाहिए, वहीं गायत्री परिवार संजू बरोदे ने कहा गाय का दूध अमृत के समान होता है, हमें सिर्फ गाय दूध के लिए नहीं बल्कि गौ मूत्र- गोबर के लिए भी पालन करना चाहिए, गौ पूजन के उपरांत उपस्थित जनों द्वारा गौ संवर्धन का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर गौ क्रांति दल के दिनेश कालभोर के सुपुत्र के जन्मदिन पर गौ माता का पूजन कर आशीर्वाद लिया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष जगदीश पवार, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष गणेश साहू, गौक्रांति दल के दिनेश कालभोर, भास्कर मगरदे,निलेश चावरिया, उपेंद्र पाठक, राजेंद्र सिंह ठाकुर,यवनिंद्र जैन, राजू जैन,लोकेश गीदकर, सचिन विश्वकर्मा, कृष्णा साहू सहित अन्य शामिल थे।

भ्रष्टाचार जांच के बाद भी कुर्सी सलामत !

आमला। जनपद पंचायत में एक बार फिर पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठने लगे हैं। बबन उमरे का मामला अब जनचर्चा का विषय बन गया है। लोकायुक्त में मामला पंजीबद्ध होने और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में एफआईआर दर्ज होने के बावजूद उमरे को न केवल कार्यमुक्त नहीं किया गया, बल्कि वे आज भी जनपद के कामकाज से जुड़े हुए हैं। यह स्थिति खुद में कई गंभीर सवाल खड़े करती है आखिर जनपद को बबन उमरे से इतना प्रेम क्यों है। सूत्रों के अनुसार, जनपद में एक अन्य लेखापाल पदस्थ है, परंतु वास्तविक काम उमरे से ही कराया जा रहा है। कहा जा रहा है कि उनकी लेखा-जादूगरी का लाभ कई स्तरों तक पहुंचता रहा है, यही वजह है कि उन्हें बार-बार संरक्षण मिलता रहा। और तो और, सेवानिवृत्ति के समय उनकी ग्रेच्युटी राशि का भुगतान भी व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स की धरोहर निधि से किया गया जो न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि वित्तीय अनुशासन पर भी बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। सेवानिवृत्ति के बाद भी उमरे को संविदा पर पुन: रख लिया गया, मानो जनपद में उनके बिना काम ही नहीं चल सकता। यह स्थिति इस ओर संकेत करती है कि तंत्र के भीतर कहीं न कहीं उमरे जैसे कर्मचारियों की जड़ें काफी गहरी हो चुकी हैं।सूत्रों के हवाले से यह भी सामने आया है कि जब उच्च अधिकारियों से पूछा गया कि उन्हें हटाया क्यों नहीं जा रहा, तो जवाब मिला उन्हें हटाकर काम किसे दे।यह बयान न केवल प्रशासनिक निर्भरता दर्शाता है, बल्कि यह भी स्पष्ट करता है कि जनपद में व्यवस्था से ज़्यादा व्यक्ति का वर्चस्व हावी है। इस संबंध में जिला पंचायत अधिकारी बैतूल अक्षत जैन का कहना है कि लोकायुक्त की शिकायत के बाद हमने इन्हें रखना उचित नहीं समझा है। दूसरा विकल्प मिलने पर जनपद सीईओ आमला को कहा है कि इन्हें रिलीव करे।

आमला उप तहसील बोरदेही में खुले नए आधार केंद्र

आमला। उप तहसील क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए राहत भरी खबर आई है। अब आधार से जुड़ी सभी सेवाएँ उन्हें अपने ही क्षेत्र में आसानी से मिल सकेंगी। प्रशासन ने बोरदेही क्षेत्र में नए आधार केंद्र शुरू किए हैं, जिससे लोगों को अब आधार अपडेट या नया बनवाने के लिए नगर तक नहीं जाना पड़ेगा। अनुविभागीय अधिकारी शैलेन्द्र बड़ोनिया ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कदम ग्रामीण जनों की सुविधा को ध्यान में रखकर उठाया गया है। अब दूर-दराज़ गाँवों से आने वाले लोगों को लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी, बल्कि वे अपने नजदीकी केंद्रों पर जाकर सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। आमला क्षेत्र में वर्तमान में इन केंद्रों पर आधार सेवाएँ उपलब्ध है।जनपद पंचायत आमला,सिविल अस्पताल आमला,पोस्ट ऑफिस आमला एवं यूनियन बैंक आमला शामिल है।वहीं उप तहसील बोरदेही के अंतर्गत आने वाले ग्रामों के लिए भी कुछ नए केंद्र शुरू किए गए हैं।इन केंद्रों से आसपास के ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। नए आधार केंद्रों से लाभान्वित होने वाले प्रमुख गाँव नाहिया, ससुंद्रा, बोथिया, मोरनढाना, झिटापाटी आदि। अब ग्रामीणों को आधार बनवाने, मोबाइल नंबर लिंक करने या बायोमेट्रिक सुधार के लिए नगर नहीं आना होगा।

जेम पोर्टल से खरीदी में हो रहा गड़बड़ घोटाला

सारनी। जिले की सबसे बड़ी नगर पालिका कमीशनखोरी में रोजाना कीर्तिमान बना रही है। इस बार जेम पोर्टल से खरीदी में बड़े पैमाने पर गोलमाल किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। बताया जाता है कि विगत दो वर्षों में जल विभाग, बिजली विभाग,सफाई विभाग,लोक निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों में की गई करोड़ों की खरीदी की उच्च स्तरीय जांच एवं भौतिक स्थापन किया जा तो बड़ा गड़बड़ घोटाला सामने आ सकता है। इतना ही नहीं विभागों में पदस्थ अधिकारीयो की सहभागीयता अथवा संग्लिप्तता का भी खुलासा हो सकता है।

ताजुब्ब की बात यह कि पीआईसी एवं परिषद के अनुमोदन से की जा रही करोड़ो की सामग्री का पार्षदों की बनी विभिन्न समितियों के माध्यम से प्रदाय सामग्री का अवलोकन किए बगैर ही दरों की स्वीकृति संबंधी प्रस्ताव को आंख बंद कर पारित किए जाने से पार्षदों की कार्य प्रणाली भी सवालों के घेरे मे आ रही हैं। गौरतलब हैं कि हाल ही में आर्थिक अनुसंधान ब्यूरो द्वारा प्राप्त शिकायत पर आमला मुल्ताई में पदस्थ रहे सीएमओ नितिन बिजवे के कार्यकाल में जेम पोर्टल के माध्यम से की गई खरीदी में भारी आर्थिक अनियमिताएं सामने आने पर अपराधिक मामला दर्ज कर निलंबन की कारवाही की गई है। उक्त मामले में सीएमओ नितिन फरार चल रहे हैं। ऐसा ही मामला सारनी नगर पालिका में जांच के बाद सामने आ सकता है।

युवक हत्या के बाद शव रखकर चौक पर किया चक्काजाम

मुलताई। नगर में मंगलवार की रात में एक युवक की चाकू मारकर हत्या के बाद बुधवार को मृतक के परिजनों ने ग्रामीणों के साथ कामधेनु चौक पर शव रखकर प्रदर्शन किया ओर आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग की, करीब सवा घंटा चक्का जाम करने के बाद एसडीएम राजीव कहार, एसडीओपी एसके सिंह ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और परिजनों को सहायता राशि दिलाने के आश्वासन के बाद चक्काजाम समाप्त किया। मंगलवार की रात करीब 8.30 बजे बस स्टैंड पर किसान स्तंभ के पीछे से पारेगांव रोड पर आपसी विवाद में

आरोपियों ने आदित्य टेकाम निवासी ग्राम खरसाली को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। आदित्य को तत्काल उपचार के लिए सरकारी अस्पताल ले गया था जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने से परिजन उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर जा रहे की ररस्ते में आदित्य की मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम के बाद परिजन आदित्य का शव एंबुलेंस से लेकर मुलताई पहुंचे। बुधवार दोपहर 12.15 बजे के दरमियान परिजनों ने कामधेनु चौक पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचे एसडीएम राजीव कहार, एसडीओपी एसके सिंह ने मृतक के परिजनों से चर्चा की। एसडीएम ने मृतक के परिजनों को सहायता राशि दिलाई जाएगी और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। इसके बाद दोपहर 1.40 बजे मृतक के परिजन और ग्रामीण शव लेकर चक्काजाम समाप्त कर गांव चले गए। एसपी वीरेंद्र जैन ने बताया घटना लडकी से संबंधित है, पुलिस मृतक के साथी सतीश की रिपोर्ट पर आरोपी मयूर तायवाडे, शुभम,गौरव सोनी एवं नितिन सोनी के खिलाफ धारा 103 (1) बीएनएस सहित अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

सुझाव

श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 और 1-एसआर-14 गेहूं बीज से मिल रही किसानों को रिकॉर्ड उपज

इस साल भी किसानों का इन्हीं किस्मों पर भरोसे का रुझान

बैतूल। मध्य प्रदेश में गेहूं की खेती में श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स द्वारा विकसित श्रीराम सुपर 5-एसआर -05 और श्रीराम सुपर 1-एसआर-14 गेहूं बीजों ने उल्लेखनीय परिवर्तन लाया है।

इन उन्नत किस्मों ने किसानों के बीच उच्च उपज, रोग प्रतिरोधकता और विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में अनुकूलता के लिए ख्याति प्राप्त की है। श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स के विश्वविख्यात गेहूं वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई गेहूं की किस्में, श्रीराम सुपर 1-एसआर -14 और 5-एसआर-05, इनकी अनुकूलन क्षमता और बेहतरीन उत्पादकता के चलते किसानों में बहुत लोकप्रिय हैं। इनमें ज़्यादा और बालियां लंबी है, और यह रोगों के प्रति सहनशील

है। सबसे खास बात यह है कि बदलती प्रकृति से उभर रही नई-नई चुनौतियों में भी इन किस्मों के परिणाम श्रेष्ठ हैं। अपनी इन्हीं विशेषताओं के चलते ये दोनों किस्में भारत के विभिन्न क्षेत्रों के किसानों की पहली पसंद बन गई हैं। अनुभवी किसान विजेन्द्र सिंह बताते हैं कि इस साल उन्होंने अपने खेत में श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 गेहूं की बुवाई की। उनका कहना है कि इस किस्म का तना बेहद मज़बूत है, जिससे फसल गिरने की संभावना नहीं रहती। साथ ही,कलियों की संख्या अधिक है और हर बाली में 85-90 दाने मिलने से उत्पादन अत्यधिक रहा। वे कहते हैं, विपरीत मौसम में भी श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 ने स्थिर और शानदार उपज दी — यह सच में भरोसेमंद गेहूं की किस्म है। साथ ही साथ श्रीराम द्वारा बाजार में दी जा रही किस्म श्रीराम सुपर 1-एसआर -14 से भी किसान बहुत खुश हैं व उत्तम परिणाम पा रहे हैं।

एक अन्य किसान केदार सिंह जिन्होंने पिछले साल अपने खेत में श्रीराम सुपर 1-एसआर -14 गेहूं बीज की बुवाई की थी। उनका कहना है कि इसमें अन्य किस्म की तुलना में श्रीराम सुपर 1-एसआर -14 में लंबी बालियाँ, अधिक कल्ले और प्रति बालियों दानों की संख्या अधिक रही और श्रीराम 1-एसआर -14 में कम पानी की आवश्यकता पड़ी। वे अन्य किसानों को भी श्रीराम सुपर 1-एसआर -14 लगाने की सलाह देती हैं। श्रीराम सुपर 5-स्क्र-05 और 1-एसआर -14 गेहूं बीज के साथ-साथ, श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स के अन्य उत्पाद जैसे श्रीराम सुपर 3-एसआर -72, 303, 111, 272 भी पिछले कुछ सालों से अपनी शानदार परफॉर्मेंस के चलते किसानों में बेहद लोकप्रिय हो गए हैं। श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स 135 वर्ष पुरानी डीसीएम श्रीराम लिमिटेड का एक हिस्सा है। यह एक अग्रणी बिजनेस ग्रुप है, जिसका टर्नओवर 12741 करोड़ है। श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स कृषि इनपुट्स जैसे बीज, विशेष पोषण, और फसल संरक्षण के कारोबार में सक्रिय है।

बंद पड़ी सारनी माइंस से निकल रहा विषाक्त जल

पाथाखेड़ा। क्षेत्र में बढ़ा खतरा का दायरा पाथाखेड़ा स्थित बंद पड़ी सारनी माइनस खदान से इन दिनों बहने वाले पानी का रंग बदलने लगा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, खदान से निकलने वाला पानी अब पीले रंग का दिखाई दे रहा है, जिसमें जहरीले रासायनिक तत्वों और विषैली गैसों का मिश्रण होने की आशंका जताई जा रही है। यह स्थिति न केवल आसपास के मानव जीवन के लिए खतरनाक है, बल्कि वन्यजीवों और जलचर प्राणियों के लिए भी गंभीर खतरे का संकेत दे रही है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि बीते कुछ दिनों से खदान क्षेत्र में पानी के साथ हल्की-हल्की दुर्गंध महसूस की जा रही है। कई लोगों को अचानक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां होने की जानकारी भी सामने आई है। वार्डवासियों ने आशंका व्यक्त की है कि यह गैस किसी प्रकार की विषैली रासायनिक प्रतिक्रिया का परिणाम हो सकती है। विदित हो कि कुछ समय पूर्व इसी क्षेत्र में खदान से निकलने वाली जहरीली गैस के कारण पानी में बुलबुले उठने की खबर भी प्रकाशित की गई थी। अब पानी का पीला पड़ना और उसमें बढ़ता प्रदूषण किसी बड़ी पर्यावरणीय दुर्घटना की आहट माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से वेकोलि के कर्मचारी क्षेत्र में लगातार आवाजाही कर रहे हैं और आस-पास निवास करने वाले लोगों की जानकारी एकत्रित कर रहे हैं। इससे यह संकेत मिल रहा है कि विभाग को भी किसी संभावित खतरे का आभास है, किंतु अभी तक इस विषय पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि खदानों के बंद होने के बाद यदि उचित जल निकासी और गैस वेंटिलेशन प्रणाली का रखरखाव नहीं किया जाता है, तो वहां से निकलने वाला जल विषाक्त और प्रदूषित हो जाता है, जिससे मिट्टी, जलस्रोत और वायु सभी प्रभावित होते हैं। क्षेत्रीय नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल वैज्ञानिक जांच की मांग की है ताकि समय रहते किसी संभावित आपदा को रोका जा सके।

यदि स्थिति पर शीघ्र नियंत्रण नहीं किया गया, तो यह मामला सारनी क्षेत्र की सबसे बड़ी पर्यावरणीय समस्या के रूप में उभर सकता है।